Publication	Amar Ujala	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	13/03/2024	Page no	10
CCM	12.04		

Shah will inaugurate new office buildings of three multi-state cooperative societies today

शाह तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों के नये कार्यालय भवन का आज करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 13 मार्च को नई दिल्ली के नौरोजी नगर स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों- भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड, नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड और नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड के नए कार्यालय भवन का उद्घाटन करेंगे। तीनों समितियों के नये कार्यालय भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहकार से समृद्धि के विजन को साकार करने की दिशा में सहकारिता मंत्रालय की एक और महत्वपूर्ण पहल है। नये भवन के बनने से तीनों समितियां निर्बाध रूप से काम कर सकेंगी। ब्यूरो

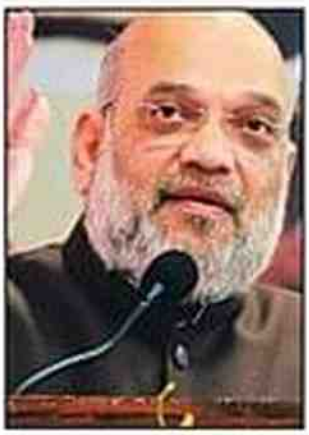

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Rajasthan Patrika	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	13/03/2024	Page no	2
CCM	27.53		

New office of BBSSL, ACOL and NCEL will open

अमित शाह करेंगे उद्घाटन

बीबीएसएसएल, एसीओएल और एनसीईएल का नया ऑफिस खुलेगा

पत्रिका

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली .राजधानी के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों- भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड, नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड और नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड के नए कार्यालय भवन का उद्घाटन बुधवार को होगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह उद्घाटन करेंगे।

तीनों समितियों और नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड के नए कार्यालय भवन का उद्घाटन ''सहकार से समृद्धि'' के विजन को साकार करने की दिशा में सहकारिता मंत्रालय की एक और महत्वपूर्ण पहल है। काफी समय से तीनों समितियों के लिए अलग कार्यालय भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी और अब यह तीनों समितियां निर्बाध रूप से काम कर सकेंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय स्तर की तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों के गठन को मंजूरी दी है। यह समितियां निर्यात, जैविक उत्पाद और बीज के क्षेत्र में काम कर रही हैं और एमएससीएस अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत हैं। तीनों के लिए निर्धारित गतिविधियों में रुचि रखने वाली सभी स्तरों की सहकारी समितियां इसकी सदस्यता के लिए पात्र हैं, यानी ' पैक्स और एपैक्स तक सभी इसके सदस्य बन सकते हैं।

उपज-बीज खरीदेंगे

ये तीनों समितियाँ कृषि एवं संबंधित गतिविधियों से जुड़े लोगों का विकास सुनिश्चित करेंगी और प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के माध्यम से किसानों से कृषि उपज और बीज खरीदेंगी। इससे पैक्स और मजबूत होंगे क्योंकि किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य मिलेगा। इसके साथ ही समितियाँ यह भी सुनिश्चित करेंगी कि नेट सरप्लस यानी शुद्ध अधिशेष पर मुनाफा सीधे किसानों के खातों में पहुँचे।

****

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from
SAMVAD